

मुख्यमंत्री ने 'गोधन न्याय योजना' के हतिग्राहियों को 23.93 करोड़ रुपए का कया भुगतान

चर्चा में क्यों?

- 9 सितंबर, 2023 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने मुख्यमंत्री नविस कार्यालय से 'गोधन न्याय योजना' के अंतर्गत ऑनलाईन राशिवितरण कार्यक्रम में हतिग्राहियों के बैंक खातों में 23 करोड़ 93 लाख रुपए अंतरति कयि।

प्रमुख बडि

- 'गोधन न्याय योजना' के हतिग्राहियों के खाते में ऑनलाईन अंतरति की गई राशि में गोबर वकिरेताओं को 5.36 करोड़ रुपए, गोठान समतियों को 1.63 करोड़ रुपए एवं स्व-सहायता समूहों की 1.14 करोड़ रुपए की लाभांश राशि के साथ ही स्व-सहायता समूहों को 12.32 करोड़ रुपए तथा सहकारी समतियों को 1.23 करोड़ रुपए की अतरिकित प्रोत्साहन राशि और स्वावलंबी गोठान समतियों के अध्यक्ष एवं सदस्यों को 2.25 करोड़ रुपए की मानदेय राशि शामिल है।
- गोधन न्याय योजना के तहत हतिग्राहियों को 29 करोड़ 93 लाख रुपए के भुगतान के बाद अब तक कुल 581.24 करोड़ रुपए का भुगतान कयि जा चुका है।
- मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने गोठानों में 15 अगस्त से 31 अगस्त तक करय कयि गए 2.68 लाख क्वटिल गोबर के एवज में गोबर वकिरेताओं को 5.36 करोड़ रुपए का ऑनलाईन भुगतान कयि। गोठानों में अब तक 133.22 क्वटिल गोबर की खरीदी हो चुकी है, जिसकी एवज में पशुपालन कसानों को 261.08 करोड़ रुपए का भुगतान भी कयि जा चुका है। 5.36 करोड़ रुपए के भुगतान के बाद गोबर करय की कुल राशि 266.44 करोड़ रुपए हो गई है।
- गोठान समतियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को भुगतान की जाने वाली 2.77 करोड़ रुपए की राशि के बाद इनको होने वाले भुगतान की राशि 275.01 करोड़ रुपए हो गई है।
- मुख्यमंत्री ने इस मौके पर गोबर से कम्पोस्ट खाद के उत्पादन से जुड़े स्व-सहायता समूहों को कम्पोस्ट खाद के वकिरय पर प्रतिकिलोग्राम एक रुपए के मान से कुल 12 करोड़ 32 लाख रुपए तथा सहकारी समतियों को प्रतिकिलो 10 पैसे मान से कुल 1 करोड़ 23 लाख रुपए प्रोत्साहन राशि के रूप में ऑनलाईन जारी कयि। मुख्यमंत्री स्वावलंबी गोठानों के 42 हजार 644 सदस्यों को मानदेय के रूप में 2 करोड़ 25 लाख रुपए उनके बैंक खातों में अंतरति कयि।
- गौरतलब है कि गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी के मामले में स्वावलंबी गोठान समतियों की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। राज्य में नरिमति एवं संचालति 10288 गोठानों में से 6252 गोठान स्वावलंबी हो चुके हैं, जो स्वयं की राशि से गोबर वकिरेताओं से गोबर करय कर रहे हैं। स्वावलंबी गोठानों ने अब तक 76 करोड़ 42 लाख रुपए का गोबर स्वयं की राशि से करय कयि है।
- मुख्यमंत्री ने कहा कि गोठानों में चार रुपए लीटर की दर से गोमूत्र खरीदकर महिला स्व-सहायता समूह की महलियाँ इससे ब्रह्मास्त्र और जीवामृत तैयार कर रही हैं, जसि कसानों को रयायती दरों पर उपलब्ध कराया जा रहा है। कसान अब महँगे पेस्टीसाइट के बदले जैविक कीटनाशक ब्रह्मास्त्र और जीवामृत का उपयोग करने लगे हैं।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने हर साल धान खरीदी का रकिॉर्ड बनाया है। इस साल आशा है कि 125 लाख मीटरकि धान खरीदी की जाएगी।



